मानवीय प्रतिबद्धता
और
डॉ. श्यामसुंदर दुबे का साहित्य

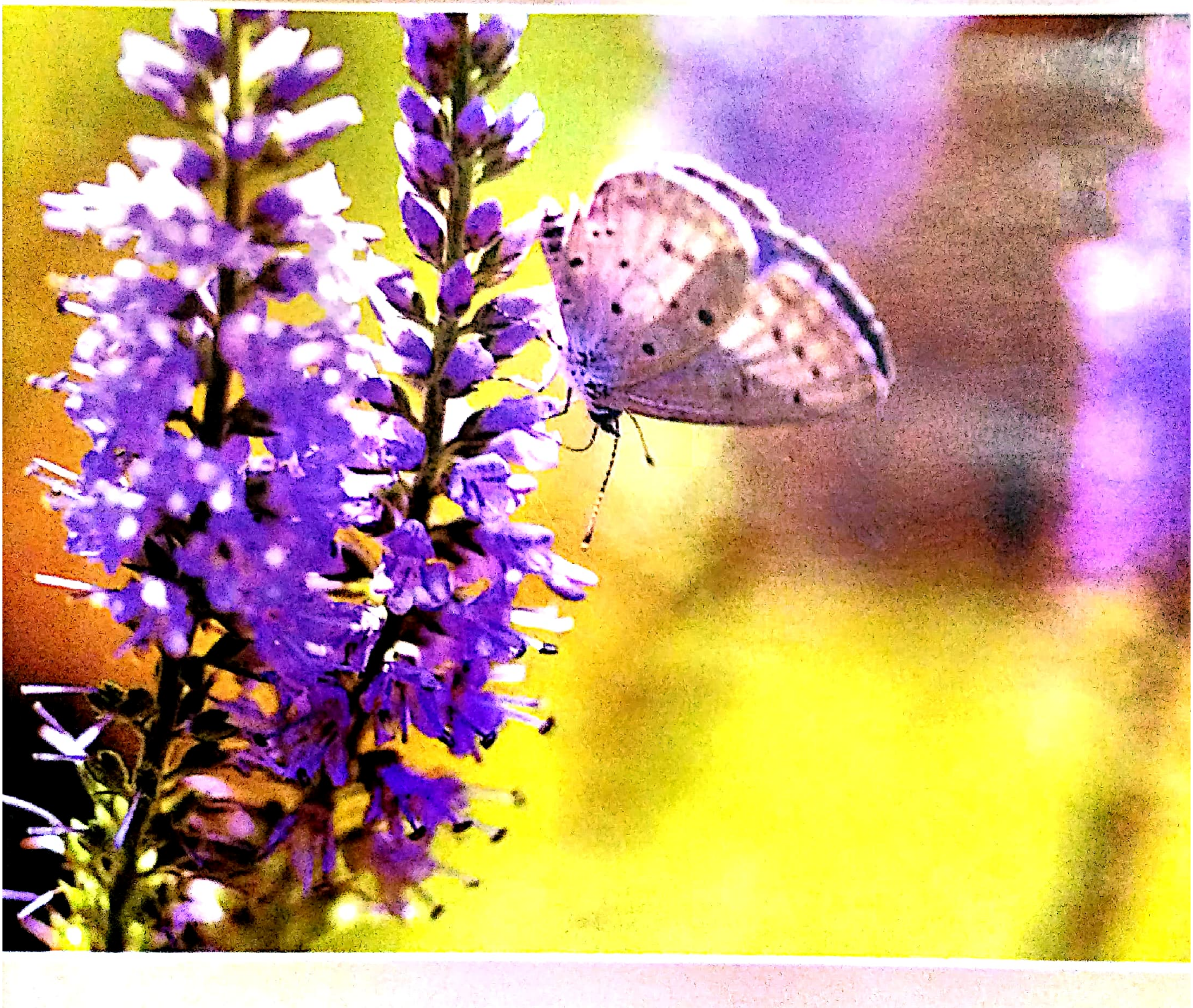

डॉ. रितु त्रिवेदी

जड़-जंगम के हित की कामना ही साहित्य का मूल प्रतिपाद्य है। साहित्य में मनुष्य और सृष्टि की अंतर्दृष्टि का अंतरंग समाहित रहता है इसलिए साहित्य मनुष्य और सृष्टि के मध्य विकसित होने वाले संतुलन परक सौन्दर्य की अभिव्यक्ति का माध्यम माना जा सकता है। यही वजह है कि साहित्य में मानवीय मूल्यों का समारोप ही उसे विश्व कल्याणी चेतना प्रदान करता है। साहित्य स्मृति-परंपरा के माध्यम से हमें जीवन के महनीय मूल्यों से परिचित कराता है। यह स्मृति-परंपरा ही साहित्य की मानवीय प्रतिबद्धता के रूप में काल-क्रम व्यापिनी बनकर हमें जीवन की अर्थ-वत्ता प्रदान करती रहती है।

समकालीन रचनाकारों में डॉ. श्यामसुंदर दुबे उन विरल प्रतिभाओं में से एक हैं, जिन्होंने साहित्य की अनेक विधाओं में अपनी रचनात्मकता को विकसित किया और प्रत्येक विधा में अपने मानक स्थापित किए हैं। वे ललित निबंधकार, नवगीतकार, कथाकार, समीक्षक और लोकविद् के रूप में सुविख्यात हैं। उनके साहित्य में भारतीय जीवन-दृष्टियों का गहन समावेश है। मानवीय प्रतिबद्धता की वैश्विक चेतना का सहज स्वरूप उनकी रचनाओं में प्राप्त होता है। डॉ. दुबे के साहित्य के इसी विशेष पक्ष को केन्द्र में रखकर यह कृति रची गई है।

इस कृति की रचनाकार, डॉ. रितु त्रिवेदी डॉ. दुबे के साहित्य की सुधी अध्येता है। उन्होंने डॉ. दुबे की कविता, कथा और निबंध विधाओं में निहित मानवीय प्रतिबद्धतापरक जीवन-मूल्यों की तलाश प्रस्तुत कृति में की है। यह अनुशीलन केवल एक रचनाकार के अवदान को रेखांकित ही नहीं करता है-बल्कि सहित्य की यह कृति हिन्दी पाठकों को एक विशेष लोक-भंगिमा से परिचित कराने वाली भी सिद्ध होगी।

मानवीय प्रतिबद्धता और डॉ. श्यामसुंदर दुबे का साहित्य

डॉ. रितु त्रिवेदी

आयुष पब्लिशिंग हाउस
दिल्ली

ISBN : 978-93-83627-06-6

प्रकाशक : आयुष पब्लिशिंग हाउस
1/10825 सुभाष पार्क, गली नं. 3
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011-22822514; 9910189445

© : लेखिका

प्रथम संस्करण : 2015

मूल्य : 295/-

मुद्रक : विकास कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर्स,
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110 032

अनुक्रम

भूमिका 7

1. डॉ. दुबे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय 19
2. मानवीय प्रतिबद्धता का स्वरूप 51
3. काव्य में मानवीय प्रतिबद्धता 70
4. कथा साहित्य में मानवीय प्रतिबद्धता 87
5. ललित निबंध एवं समीक्षा में मानवीय प्रतिबद्धता 108

भूमिका

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे ऐसे बहुआयामी रचनाकार हैं जिन्होंने नवगीत, कविता, कहानी, उपन्यास, ललित निबंध, व्यंग्य आदि विधाओं में लेखन किया है। उन्होंने भारतीय जीवन-दर्शन के मूलभूत तत्वों की आधुनिक जीवन के संदर्भ में प्राप्त प्रासंगिकता को अनिवार्य ढंग से स्वीकृति दी है।

डॉ. श्याम सुंदर दुबे समाज से गहरी संपृक्ति रखने वाले भावुक और संवेदनशील रचनाकार हैं। यही भावुकता और संवेदनाएँ उनके लेखन में दिखाई पड़ती हैं।

डॉ. दुबे भारतीय प्रवृत्ति, भारतीय मनीषा, भारतीय सहिष्णुता और विभिन्नता के मध्य एकत्व स्थापना के लिए भारतीय संस्कृति को गौरवमय आधार मानते हैं। उनकी रचनात्मकता भारतीय जीवन की लोकप्रिय जीवन पद्धतियों को परम्परा के स्वस्थ विकास की तरह ही सम्प्रेषित करती है।

यह एक ईश्वरीय विधान या संयोग ही होता है कि आप किसी के सम्पर्क में आयें और वह आपके जीवन-दर्शन और जीवन-शैली का पर्याय बन जाये। इस मायने में ईश्वर ने मेरे लिए एक सुखद संयोग का विधान कर रखा था। उसी विधान का नतीजा है कि मेरी भेंट डॉ. दुबे जी से हुई। उनके साहित्य ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। मेरी रुचि इसी प्रकार के साहित्य में है, जो मानवीय प्रतिबद्धता के मूल्यों का विवेचन करता हो। डॉ. श्यामसुन्दर दुबे लोक जीवन की चेतना से जुड़े हुए साहित्यकार हैं। उन्हें साहित्य सृजन की उर्जा और संवेदना लोक जीवन से ही प्राप्त है। उनके साहित्य में आमजन के नैतिक अधिकारों के लिए संघर्ष की चेतना विद्यमान है।

डॉ. दुबे के साहित्य में भारतीय चिंतन की प्रचुरता है। भारतीय दृष्टि का समावेश है। भारतीय संस्कृति के प्रति आग्रह, भारतीय उदार चेतना, वसुधैव कुटुम्बकं की धारणा उनके साहित्य में पर्याप्त मात्र में प्राप्त होती है। परम्परागत चिंतन के साथ-साथ आधुनिक दृष्टि का भी समावेश आपके साहित्य में है। एक तरह से डॉ. दुबे का चिंतन गतिशील चिंतन है। उन्होंने समकालिक चिंतकों के विचारों का भी आश्रय अपनी साहित्य रचना के लिए लिया है।

श्रीमती रितु त्रिवेदी

पति - आर.के. त्रिवेदी

जन्म - भोपाल

शिक्षा - एम.ए., बी. एड., पी-एच.डी.

लेखन एवं प्रकाशन - विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में स्फुट लेखों का प्रकाशन, शोधपरक आलेखों को लिखने में रुचि, राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी।

पता - 3/4 इब्राहीम गंज, नादरा बस स्टैण्ड के पास, भोपाल (म.प्र.)

मो. : - 09827312015, 09827012018